एक नजर में

अंक फाउंडेशन ने बच्चों के साथ किया पौधारोपण

शाजापुर, 30 जुलाई . शाजापुर शहर की सामाजिक संस्था अंक फाउंडेशन की ओर से शासकीय विद्यालय धाराखेड़ी के परिसर में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर लगभग 100 बच्चों को खिलौने और चॉकलेट का वितरण किया गया . इस अवसर पर पौधारोपण का भी आयोजन किया गया . अंक फाउंडेशन के संचालकगण आशुतोष शर्मा, सुनील विश्वकर्मा, हितेश सोनी, नरेंद्र विश्वकर्मा, शिक्षक योगेश भावसार एवं विद्यालय के स्टाफ गण उपस्थित थे . बता दें कक्षा 9वीं की छात्रा कोमल आंजना के माता-पिता का निधन हो चुका है, तो उसकी पूरे साल की फीस, कॉपी-किताब, अंक फाउंडेशन द्वारा प्रदान की गई .

न्यायाधीश ने किया उप जेल का औचक निरीक्षण

शुजालपुर, 30 जुलाई . प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंद कुमार तिवारी ने बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नमिता बोरासी के साथ उप जेल शुजालपुर का औचक निरीक्षण किया . इस दौरान उन्होंने बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, भोजन व्यवस्था एवं स्वच्छता का जायजा लिया . निरीक्षण के दौरान न्यायाधीश ने पाकशाला में बंदियों के लिए तैयार किए जा रहे भोजन का अवलोकन कर संतोष व्यक्त किया तथा वहां कार्यरत बंदियों से चर्चा की . इसके बाद बंदी वार्डों एवं बैरकों का निरीक्षण कर स्वच्छता व्यवस्था का भी जायजा लिया . उन्होंने बंदियों से संवाद कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही विधिक सहायता की जानकारी ली तथा आवश्यक कानूनी परामर्श दिया . साथ ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होने वाली पेशियों की व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए . निरीक्षण के दौरान जिला विधिक अधिकारी शिखा शर्मा, सहायक जेल अधीक्षक हितेश बंडिया, तहसील विधिक सहायता अधिकारी शुभम सिंह राजावत, महिपाल सिंह परमार सहित उप जेल का स्टाफ उपस्थित रहा .

जिजाऊ ब्रिगेड की बैठक में संगठन विस्तार

शुजालपुर, 30 जुलाई . मराठा सेवा संघ प्रणीत जिजाऊ ब्रिगेड मध्यप्रदेश शाजापुर जिला की संगठनात्मक बैठक प्रदेशाध्यक्ष एडवोकेट कोमल ताई देशमुख की अध्यक्षता में आयोजित हुई . बैठक में संगठन विस्तार, महिला सशक्तिकरण, समाज सेवा एवं आगामी गतिविधियों को लेकर चर्चा की गई . इस दौरान संगठन की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई . प्राजक्ता ताई देशमुख को मध्यप्रदेश संगठक नियुक्त किया गया . वहीं शाजापुर जिला इकाई में वर्षा ताई देशमुख को जिला अध्यक्ष, छाया ताई जाधव को जिला उपाध्यक्ष, मनीषा ताई जाधव को जिला सचिव, संध्या ताई पवार को जिला कार्याध्यक्ष तथा मधुलिका ताई देशमुख को जिला संगठक बनाया गया . शुजालपुर नगर इकाई में चित्रा ताई देशमुख को नगर अध्यक्ष, माधवी ताई देशमुख को नगर उपाध्यक्ष, पूजा ताई देशमुख को नगर सचिव, मीना ताई पिसाल को नगर कार्याध्यक्ष एवं गौरी ताई देशमुख को नगर संगठक की जिम्मेदारी सौंपी गई . बैठक में नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान किया गया . साथ ही महिला जागरूकता, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, रक्तदान एवं सामाजिक सेवा के कार्यों को प्राथमिकता से संचालित करने का निर्णय लिया गया . कार्यक्रम का संचालन मधुलिका ताई देशमुख व आभार पूजा ताई देशमुख ने माना .

दो दिवसीय अभियान के बाद भी समस्या बरकरार

शुजालपुर, 30 जुलाई . शहर में स्वछंद विचरण करने वाले निराश्रित पशुओं के कारण आमजन परेशान हो रहे है, साथ ही आए दिन दुर्घटनाएं भी हो रही है . नगर पालिका अमले ने इस परेशानी से निजात दिलाने के लिए पिछले दिनों दो दिनों तक लगातार अभियान चलाते हुए शाजापुर नगर पालिका से मंगाए गए विशेष वाहन के माध्यम से 70 निराश्रित पशुओं को क्षेत्र की दो अलग-अलग गौशालाओं में भेजा था, हालांकि नगर में प्रमुख मार्गो सहित आंतरित मार्गो पर मौजूद रहने वाले पशुओं की संख्या के अनुपात में यह 10 प्रतिशत ही है .सिटी मंडी फोरलेन मार्ग सहित एमजीरोड, टेम्पों चौराहा, लोहिया मार्ग, सिटी क्षेत्र के अन्य मार्गो के अलावा कॉलोनियों में भी निराश्रित पशुओं से परेशानी हो रही है . बता दें नगर पालिका शुजालपुर के पास ना तो गौशाला है ना ही पशुओं को परिवहन करने के लिए व्यवस्थित इंतजाम, जिसके चलते आसपास की गौशालाओं के भरोसे रहना पड़ता है . निराश्रित पशुओं की भागादौड़ी में कई लोग घायल हो चुके है, साथ ही गंभीर घटनाएं भी शहर में हो चुकी है . स्वप्नसिटी कॉलोनी निवासी भेरूलाल उज्जलिया ने बताया कि मुख्य मार्ग के अलावा कॉलोनियों में भी इस तरह के पशुओं की परेशानी है . स्वप्नसिटी कॉलोनी में सड़क पर घुमते सांडों के कारण आमजन परेशान है और इनकी मौजूदगी के कारण मार्ग से निकलना खतरों भरा रहता है . उधर फ्रीगंज निवासी वरिष्ठ नागरिक बालमुकुंद सोनानिया ने कहा कि सड़कों पर विचरण करने वाले कुछ सांड काफी हिंसक हो चुके है वे मार्ग पर से निकलने वाले लोगों पर हमला करते हैं . इसके अलावा उक्त पशु भी कई बार वाहनों की चपेट में आ जाते है . वर्षाकॉल में यह परेशानी ज्यादा बढ़ जाती है, कांक्रीट व डामरीकृत सड़कों के कारण निराश्रित मवेशी मार्गो पर अपना जमावड़ा बनाते हैं . नागरिकों ने शुजालपुर नगर से इस तरह के पशुओं को हटाने तथा इनके निवास के लिए उपयुक्त स्थल पर भेजने की मांग की .

चाय-पान की गुमटियों में अहातों की फ्रेंचाइजी

आबकारी विभाग को हर महीने शराब ठेकेदार से मिलती है लाखों की बंदी, इसलिए नहीं होती है कार्रवाई

शाजापुर, 30 जुलाई. सरकार ने ठेके नीलाम किए, लेकिन शराब माफियाओं ने पूरे शहर को अपनी विरासत समझकर जगह-जगह गुमटियों में शराब की बोतलें रखवाकर उनकी फ्रेंचाइजी दे दी. अस्पताल के पास, चाय की दुकान और पान की दुकान में आसानी से दारु बिक रही है मोहन बड़ोदिया शहर में. यहां तक कि पीने वालों के लिए अवैध रूप से इन दुकानदारों ने अहाते भी बना रखे हैं. ऐसा ही एक वीडियो नवभारत को मिला है, जिसे देखकर ऐसा लग रहा है कि आबकारी विभाग ने ही शराब माफियाओं को मोहन बड़ोदिया में चाय-पान की दुकान पर शराब बेचने की अनुमति दे दी हो. बेखौफ होकर बेची जा रही है मोहन बड़ोदिया की गुमटियों में शराब.

गौरतलब है कि शाजापुर जिले में लगभग 10 से अधिक अलग-अलग क्षेत्र में शराब के ठेके संचालित हो रहे हैं. मोहन बड़ोदिया में सरकार ने दो दुकानें नीलाम की हैं. लेकिन मोहन बड़ोदिया में जब गुप्त कैमरे से पड़ताल की गई, तो पता चला कि बड़ोदिया में तो चाय, पान की दुकान पर शराब ऐसे मिल रही है, जैसे मानो इन दुकानों पर शराब बेचने का लाइसेंस मिल गया हो. अवैध रूप से बेची जा रही यह शराब जब पत्रकारों को नजर आ गई, लेकिन पुलिस और आबकारी विभाग को चाय, पान की दुकान पर बिकने वाली शराब नजर नहीं आई. इसका सीधा कारण है कि पुलिस और आबकारी विभाग को शराब ठेकेदार से लाखों रुपए की बंदी हर महीने इसलिए ही मिलती है कि पुलिस और आबकारी धृतराष्ट्र बनकर अपना काम करें.

बाहर हरी नेट, अंदर शराब...

मोहन बड़ोदिया में नलखेड़ा रोड पर खेतों के बीच चाय की गुमटी है . लेकिन अंदर इसे अहाते के रूप में संचालित किया जा रहा है . जहां आसानी से देशी और अंग्रेजी शराब मिल जाती है . खेत में बैठकर शराब पीने की भी व्यवस्था की गई है . दूसरी जगह बाजार के बीच दुकान मोहन बड़ोदिया थाना क्षेत्र के पास हाट बाजार के मार्केट के सामने एक दुकान के बाहर खाद्य सामग्री रखी है और अंदर शराब उपलब्ध कराने और पीने की व्यवस्था है . तीसरा स्थान सारंगपुर रोड पर आरोग्य अस्पताल के पास हरी नेट लगाकर एक दुकान है, जहां खुलेआम दारु बेची और पिलाई जा रही है . ये वो स्थान हैं, जो न तो पुलिस की नजर से छिपे हैं, न आबकारी विभाग की निगाहों से, लेकिन दोनों ही विभाग धृतराष्ट्र बनकर शराब माफिया को मजबूत करने और उसके बदले लाखों की बंदी लेने में मस्त हैं .

धृतराष्ट्र बनने के लिए आबकारी विभाग को हर महीने मिलती है लाखों की बंदी

आबकारी विभाग का काम है अवैध रूप से बिक रही शराब को पकड़ना . सरकारी दुकानों का ठीक से संचालन कराना . इसके बदले आबकारी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी को सरकार से पगार मिलती है . सरकार से हर महीने आबकारी विभाग के आला अधिकारी-कर्मचारी पगार तो लेते हैं, लेकिन नौकरी शराब ठेकेदारों की करते हैं . यही कारण है कि मोहन बड़ोदिया में खुलेआम चाय की दुकान, पान की दुकान और अस्पताल के पास शराब ऐसे बिक रही थी, जैसे मानो किराने का सामान हो . बेखौफ इन दुकानों पर शराब बेची जा रही है . आबकारी विभाग को मुंह बंद करने के लिए हर महीने मोटा लिफाफा मिलता है . जो दुकानें आम जनता, पत्रकारों को नजर आ गई, वो दुकानें न पुलिस को दिखी और न आबकारी विभाग को . धृतराष्ट्र बने रहने के लिए ही जिले के शराब ठेकेदार हर महीने पुलिस और आबकारी विभाग को लाखों रुपए की पेशगी देते हैं .

एमपीईबी कार्यालय में कनिष्ठ यंत्री से मारपीट

शुजालपुर, 30 जुलाई. शुजालपुर मंडी स्थित एमपीईबी कार्यालय में कनिष्ठ यंत्री के साथ कार्यालय में घुसकर मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है. पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस के अनुसार फरियादी मनोहर अचाले निवासी कंचन विहार कॉलोनी शुजालपुर मंडी ने बताया कि एमपीईबी में कनिष्ठ यंत्री के पद पर पदस्थ हैं. गुरुवार दोपहर विशाल राजपूत निवासी बडबेली ने नए बिजली कनेक्शन के संबंध में फोन किया था. बाद में वह शाम करीब 4.30 बजे एमपीईबी कार्यालय पहुंचा, जहां शासकीय कार्य के दौरान उसने गाली-गलौज शुरू कर दी. फरियादी ने पुलिस को शिकायत में कहा कि विरोध करने पर आरोपी विशाल राजपूत ने थप्पड़ मारकर मारपीट की तथा शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाई. कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों ने बीच-बचाव किया. पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

117 मरीजों की हुई नेत्र जांच

शुजालपुर, 30 जुलाई. अंधत्व एक अभिशाप है, दृष्टि है तो सृष्टि है की भावना को साकार करने के उद्देश्य से सेवा सदन नेत्र जांच केंद्र द्वारा निरंतर निशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर आयोजित किए जा रहे हैं. इसी क्रम में आयोजित शिविर में 117 मरीजों की नेत्र जांच की गई. नेत्र विशेषज्ञ डॉ. जसवंत यादव, नेहा सोनी एवं शुभम मीणा ने मरीजों का परीक्षण किया. जांच के दौरान 70 मरीजों का मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयन किया गया, जबकि 15 मरीजों को चश्मे के नंबर बताए गए, 25 मरीजों की आंखें सामान्य पाई गईं. ऑपरेशन के लिए चयनित सभी मरीजों को सेवा सदन की बस से चिकित्सालय रवाना किया गया. शिविर संयोजक डॉ. सुशील कुमार गहलोत ने स्वर्गीय देवेंद्र कुमार गहलोत की स्मृति में मरीजों के लिए भोजन के पैकेट, शुद्ध पेयजल एवं चाय की व्यवस्था कराई. शिविर के सफल आयोजन में जिला प्रभारी खुशीराम आचार्य, हरिनारायण परमार, गंगाधर शर्मा, सतीश चौधरी एवं रमेश परमार का विशेष सहयोग रहा.

आबकारी विभाग और ठेकेदार के गुलाबी लिफाफे का पवित्र गठबंधन

खरी- खरी
मनोज पुरोहित

भारतीय प्रशासनिक भूगोल में कई तरह के समझौते आपने सुने और देखे होंगे. दो देशों के बीच शांति समझौते, राजनीतिक दलों के बीच गठबंधन, सरकार के समझौते या फिर पति-पत्नी के बीच टीवी रिमोट शेयरिंग के समझौते, लेकिन इन सारे समझौतों को बोना साबित कर देने वाला दुनिया का सबसे मजबूत, अकाट्य और शाश्वत समझौता अगर कोई है, तो वह है शराब ठेकेदार, पुलिस और आबकारी विभाग की त्रिकोणीय यारी. यह कोई आम दोस्ती नहीं है, बल्कि यह वह आध्यात्मिक रिश्ता है, जिसमें आत्मा का परमात्मा से मिलन भले ही संदिग्ध हो, लेकिन महीने की पहली तारीख को लिफाफे का गंतव्य तक पहुंचना उतना ही निश्चित है, जितना कि पृथ्वी का सूर्य के चक्कर लगाना. इस पवित्र अनुबंध के तीन मुख्य देवता हैं और तीनों की अपनी-अपनी महिमा है. पहले शराब ठेकेदार. इन्हें यजमान और प्रदाता भी कह सकते हैं. यह व्यक्ति सुबह उठकर भगवान से पहले आबकारी विभाग और थाने के प्रभारी का आशीर्वाद मांगता है. इसकी दुकान पर भले ही पानी की बोतल न मिले, लेकिन हर ब्रांड का जहर समय पर उपलब्ध रहता है. यह जानता है कि मुनाफा कमाना इसका अधिकार है, लेकिन उस मुनाफे का सही प्रसाद सही समय पर सही मेज पर पहुंचाना इसका परम कर्तव्य है. दूसरा आबकारी विभाग है, जिसे निरीक्षण देवता भी कहा जा सकता है. यह विभाग उस कड़े गुरु की तरह है, जो साल में एकाध बार अपनी धमक दिखाने आता है. यह देखता है कि ठेके पर तय कोटे से ज्यादा माल तो नहीं बिक रहा और अगर बिक रहा है, तो उसका अतिरिक्त आध्यात्मिक विस्तार कैसे तय किया जाए. इसके निरीक्षण का मतलब होता है, कागज पर सब ठीक और लिफाफे में वजन ठीक. अंत में आती है स्थानीय पुलिस जिसे सुरक्षा चक्र कहा गया है. कानून व्यवस्था बनाए रखना इनका काम है. ठेके के बाहर दो शराबी आपस में लड़ें या पूरी सड़क जाम कर दें, पुलिस को तब तक नजर नहीं आता, जब तक कि मामला थाने के सामने से गुजरने वाली गाड़ी के बोनट तक न आ जाए. इनकी उपस्थिति केवल इतनी सुनिश्चित करने के लिए होती है कि कोई अवैध ठेका इनकी बिना अनुमति के न खुल जाए, क्योंकि बिना अनुमति के खुला ठेका यानी राजस्व की चोरी नहीं, बल्कि इनके अधिकार क्षेत्र का अपमान है.

हर महीने पोषित लिफाफे की यारी..

इस रिश्ते की सबसे बड़ी खूबसूरती इसकी पारदर्शिता और गोपनीयता का अद्भुत मिश्रण है. पैसा कभी सीधे हाथ से हाथ में नहीं आदान-प्रदान होता. इसके लिए एक मध्यस्थ होता है, जिसे स्थानीय भाषा में कारिंदा या खास आदमी कहा जाता है. यह कारिंदा महीने के अंतिम सप्ताह में एक सादे, लेकिन भारी-भरकम लिफाफे के साथ चुपचाप थाने की सीढ़ियों या आबकारी कार्यालय में प्रवेश करता है. उस लिफाफे में कोई पत्र नहीं होता, कोई शिकायत नहीं होती, सिर्फ और सिर्फ मौन स्वीकृति की गड़गड़ाहट होती है. इस लेन-देन के बाद एक ऐसा अदृश्य रक्षा कवच तैयार होता है, जिसके सामने चक्रव्यूह भी फेल है. अगर कोई नागरिक शिकायत कर दे कि रात 10 बजे के बाद भी ठेका खुला है, तो पुलिस तुरंत अनुसंधान करती है और पाती है कि वहां तो सन्नाटा था, महोदय हवा चल रही थी. अगर कोई कहे कि मिलावटी शराब बिक रही है, तो आबकारी विभाग सैंपल लेकर ऐसी प्रयोगशाला में भेजता है, जहां से रिपोर्ट हमेशा अमृत तुल्य ही आती है. जब देश में दीपावली, होली, नया साल या चुनाव जैसे पावन अवसर आते हैं, तब इस त्रिकोणीय रिश्ते का असली इम्तिहान होता है. इसे आप इनका महाकुंभ कह सकते हैं. इस दौरान टारगेट बढ़ जाते हैं, अवैध शराब की नदियां बहती हैं और लिफाफों का वजन इतना बढ़ जाता है कि उनकी मोटाई देखकर अच्छे-अच्छे अर्थशास्त्री भी चक्कर खा जाएं. इस पवित्र काल में तीनों विभाग मिलकर यह सुनिश्चित करते हैं कि जनता को मनोरंजन और नशे का ऐसा कॉकटेल मिले कि वह अपनी जेब के साथ-साथ अपने अधिकार भी भूल जाए. हर महीने की यह यारी इस बात का प्रमाण है कि इस दुनिया में अगर प्रेम, सहयोग और भाईचारे की कोई मिसाल बची है, तो वह कागजों पर अवैध और पन्नों पर वैध दिखने वाले इस कारोबार के भीतर है. शराब ठेकेदार की दुकान का शटर भले ही रात को गिरता हो, लेकिन खाकी और आबकारी के बीच का यह भरोसा कभी नहीं गिरता. यह रिश्ता न कभी टूटेगा, न कभी कमजोर होगा.

अंत में...

जब तक शीशे में जाम रहेगा, तब तक लिफाफे का यह सफर यूं ही अबाध गति से चलता रहेगा.

विहिप, बजरंग दल की जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता संपन्न

सुसनेर, 30 जुलाई. तहसील रोड स्थित स्वामी विवेकानंद कॉलेज परिसर में गुरुवार को विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता उत्साह और खेल भावना के साथ संपन्न हुई. प्रतियोगिता में आगर मालवा जिले के सातों प्रखंडों की टीमों ने भाग लेकर शानदार प्रदर्शन किया. पूरे दिन चले रोमांचक मुकाबलों के बाद सोयत प्रखंड की टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया, जबकि नलखेड़ा प्रखंड की टीम उपविजेता रही.

प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने दमदार खेल, अनुशासन और टीम भावना का परिचय दिया. फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने जीत के लिए पूरा दम लगाया. दर्शकों ने भी तालियों की गड़गड़ाहट के साथ खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया. समापन समारोह में विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्रीय गोरक्षा प्रमुख सोहन विश्वकर्मा, प्रांत संयोजक नितिन पाटीदार, प्रांत सह संयोजक मुकेश पाटीदार, विभाग संयोजक प्रीतम बैरागी, जिला संगठन मंत्री मोहन राठौर, जिला उपाध्यक्ष भरत भावसार, जिला संयोजक अनिल कांवल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे. अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान करते हुए खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं. अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता को ही नहीं बढ़ाते, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व, संगठन और टीम भावना का भी विकास करते हैं. युवाओं को खेल गतिविधियों से जुड़कर समाज और राष्ट्र निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए. प्रतियोगिता के सफल संचालन एवं आयोजन में खेल विभाग के सोनू पाटीदार, क्रीड़ा शिक्षक पीरूलाल खटीक तथा निर्मल भारती का विशेष योगदान रहा. आयोजन को सफल बनाने में विहिप एवं बजरंग दल के पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं ने भी सक्रिय सहयोग दिया.

वृक्षारोपण के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना के नए सत्र का शुभारंभ

शुजालपुर, 30 जुलाई. जवाहरलाल नेहरू स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय शुजालपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस इकाई के नवीन सत्र 2026-27 का शुभारंभ गुरुवार को वृक्षारोपण कार्यक्रम के साथ किया गया. कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति संवर्धन का संदेश दिया गया. राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी गजेंद्र कुमार पाटीदार एवं रेड क्रॉस प्रभारी डॉ. पूजा सांखला ने नवीन सत्र के लिए दलनायक, उपदलनायक एवं कार्यालय प्रभारी का चयन किया. इस दौरान स्वयंसेवकों का परिचय कराया गया तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की जानकारी दी.

राष्ट्रीय उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

शाजापुर, 30 जुलाई. शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय शाजापुर में राष्ट्रीय उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम संपन्न हुआ. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य डिजटल युग में उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा साईबर अपराधों से सुरक्षित रहने के उपायों की जानकारी देना था. कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में एचआर बघेल एवं श्री जानी कुमार उपस्थित रहे.

अतिथियों ने कहा कि अनचाही व्यवसायिक कॉल और स्पेम कॉल उपभोक्ताओं के लिए बड़ी चुनौती बन चुकी हैं. उन्होंने कड़े नियमों तथा आगामी कॉलीन नेम प्रेजेन्टेंशन व्यवस्था की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला. उन्होंने 1930 पर कॉल करके तथा संचार एप के माध्यम से स्पेम कॉल एवं संदेशों को ब्लॉक करने की व्यवहारिक जानकारी दी. कार्यक्रम के अंत में इन्ट्रेकटिव प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया तथा विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए. संस्था प्राचार्य डॉ. विपुल परमार्थी द्वारा विद्यार्थियों को साईबर क्राईम से बचने की जानकारी प्रदान की गई. इस अवसर पर श्रीमती गायत्री सिंह, श्रीमती सपना महाजन, योगेश मानेकर, जोगेन्द्र भारती, महेन्द्रपाल सिंह पचलानिया इत्यादि उपस्थित थे.

अभिषेक, पूजन के साथ की दिन की शुरूआत

शाजापुर, 30 जुलाई. गुरूपूर्णिमा के अगले दिन गुरूवार से श्रावण माह की शुरूआत हो गई और श्रावण के पहले ही दिन शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ देखी गई. इसके बाद शाम को भी शिवालयों में श्रद्धालू महादेव के दर्शन को शिवालय पहुंचते रहे. वहीं मंदिरों में भी आकर्षक साज.सज्जा की गई.

श्रावण माह शिव जी का प्रिय महीना होता है. पूरे माह श्रद्धालू शिव जी की आराधना में लीन रहकर उन्हें प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं. कई श्रद्धालू महादेव को प्रसन्न करने कई तरह के जतन भी करते हैं. तो इस माह कावड़ यात्रा के माध्यम से भी कावड़िए महादेव का अभिषेक करने उज्जैन, मंदसौर, आगर सहित अन्य शिवालय पहुंचकर महादेव की आराधना करते हैं. तो कई लोग उपवास के माध्यम से भी महादेव को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं. वहीं श्रावण माह में महादेव मंदिरों में भी तैयारियां की गई है. कई जगह मंदिरों में रंग रोगन तो कई जगह आकर्षक विद्युत सज्जा से शिवालय जगमगा रहे हैं. इसके अलावा हर सोमवार को महादेव का अलग-अलग स्वरूप में आकर्षक श्रृंगार भी किया जाता है.

कावड़िए भी करेंगे महादेव का जलाभिषेक

श्रावण में कई संगठनों द्वारा कावड़ यात्राएं भी निकाली जाएंगी. जिसके माध्यम से कावड़िए अपनी कावड़ में जल भरकर महादेव का श्रद्धा से जलाभिषेक कर उनकी आराधना करेंगे. इस पूरे माह नगर और जिले में यह क्रम जारी रहेगा.

हर सोमवार को मिलेगा महादेव का आशीर्वाद

श्रावण सोमवार मे केवल मंदिरों में भक्तों की भीड़ ही नहीं लगती बल्कि हर सोमवार को महादेव भी अपने भक्तों का हाल जानने निकलेंगे . श्रावण माह के चारों सोमवार तो महादेव का सान्निध्य भक्तों को मिलेगा ही . इसके अलावा मंगलनाथ, गिरासिया घाट, जयेश्वर महादेव मंदिर से भी आकर्षक सवारियां निकाली जाएंगी, जिसमें दूर-दराज से श्रद्धालू शामिल होकर महादेव की भक्ति में लीन रहते हैं .

एक नजर में — क्या मक्सी में दोहराई जाएगी इंदौर-भागीरथपुरा जैसी त्रासदी...?

मक्सी में 70 लाख की नर्मदा पाइपलाइन दफन, फिर लाखों का नया काम

इरशाद खान, मक्सी, 30 जुलाई. नगर परिषद मक्सी में नर्मदा जल प्रदाय परियोजना के तहत चल रहे पाइपलाइन निर्माण कार्य को लेकर वार्ड क्रमांक 12 के रहवासियों ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं. स्थानीय लोगों का आरोप है कि पहले लगभग 70 लाख से 80 लाख रुपए की लागत से डाली गई पाइपलाइन का लाभ जनता को नहीं मिला और अब दोबारा लाखों रुपए खर्च कर नई पाइपलाइन बिछाई जा रही है. ऐसे में जनता के खून-पसीने की कमाई से खर्च हुए सरकारी धन की जवाबदेही को लेकर चर्चा तेज हो गई है.

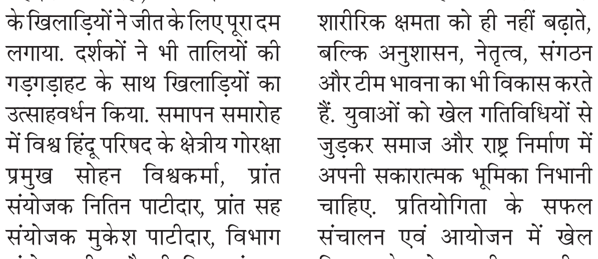

रहवासियों का आरोप है कि वर्तमान में ठेकेदार द्वारा कई स्थानों पर टूटे एवं पुराने पाइपों के टुकड़ों को जोड़कर पाइपलाइन बिछाई जा रही है. लोगों का कहना है कि यदि भविष्य में इन जोड़ों से लीकेज हुआ, तो आसपास की नालियों और सीवरेज का दूषित पानी पेयजल लाइन में प्रवेश कर सकता है, जिससे बड़ी स्वास्थ्य समस्या खड़ी हो सकती है. स्थानीय नागरिकों और पार्षद प्रतिनिधि ने इंदौर के चर्चित भागीरथपुरा गंदे पानी कांड का हवाला देते हुए आशंका जताई है कि यदि पाइपलाइन कार्य में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया, तो मक्सी में भी वैसी ही स्थिति निर्मित हो सकती है.

पार्षद प्रतिनिधि ने गुणवत्ता पर उठाए सवाल

वार्ड क्रमांक 12 के पार्षद प्रतिनिधि मुकीम खान ने नर्मदा परियोजना के तहत चल रहे पाइपलाइन निर्माण कार्य पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं . उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र में पुरानी एवं टूटे-फूटे पाइपों के टुकड़ों का उपयोग कर लाइन बिछाई जा रही है, जिससे भविष्य में लीकेज और दूषित पानी की समस्या उत्पन्न हो सकती है . मुकीम खान ने कहा कि यदि पाइपलाइन में जगह-जगह जोड़ लगाकर कार्य किया गया, तो इंदौर के चर्चित भागीरथपुरा गंदे पानी कांड जैसी स्थिति निर्मित होने का खतरा बना रहेगा .

नाले की खुदाई से क्षतिग्रस्त हो गई पाइपलाइन

स्थानीय रहवासियों के अनुसार क्षेत्र में कई दिनों से गहरे गड्ढे खोदकर छोड़ दिए गए हैं. सड़कें बाधित होने से व्यापार प्रभावित हो रहा है. वहीं स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और कुछ राहगीर तो गड्ढे में गिर भी गए. गनीमत रही के किसी को कोई गंभीर चोट नहीं आई. रहवासियों का आरोप यह भी है कि नाले की खुदाई के दौरान वर्तमान में संचालित पेयजल पाइपलाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई है. इसके चलते पिछले चार-पांच दिनों से कई क्षेत्रों में नलों से पानी की आपूर्ति ठप है, जिससे लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है.

तकनीकी जांच की मांग

रहवासियों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा एक-दो दिन में कार्य पूर्ण करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी काम अधूरा पड़ा हुआ है. हाजी जाहिद पठान, सलमान पठान, फहीम पठान, अजीज मंसूरी, मजीद मंसूरी, सलाउद्दीन, गौरव पाटीदार, नितिन पाटीदार, नौशाद पठान सहित अन्य रहवासियों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए तकनीकी जांच की मांग की है. उनका कहना है कि पहले लाखों रुपए की योजनाएं जमीन में दफन हो गई और अब फिर से लाखों रुपए खर्च किए जा रहे हैं. यदि कार्य मानकों के अनुरूप नहीं हुआ, तो इसका खामियाजा फिर से आम जनता को भुगतना पड़ेगा.

आपत्ति के बाद रुकवाया काम

पार्षद प्रतिनिधि ने बताया कि क्षेत्र के रहवासियों ने इस कार्य पर आपत्ति दर्ज कराते हुए मक्सी नगर परिषद सीएमओ ऋतु पुरोहित को शिकायत भी की है. पार्षद प्रतिनिधि के अनुसार पहले भी लगभग 70 से 80 लाख रुपए की लागत से पाइपलाइन डाली गई थी, लेकिन उसका अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाया. अब पुन: लाखों रुपए खर्च कर नई लाइन डाली जा रही है, जबकि मौके पर पुराने पाइपों के टुकड़ों का उपयोग किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं. उन्होंने बताया कि रहवासियों की आपत्ति के बाद पाइपलाइन की फिटिंग का कार्य रुकवाया गया है तथा नगर परिषद सीएमओ को मामले से अवगत कराया गया है. सीएमओ द्वारा इंजीनियर से जांच कराने का आश्वासन दिया गया है. जब इस संबंध में नवभारत संवाददाता ने मक्सी नगर परिषद सीएमओ ऋतु पुरोहित से दूरभाष के माध्यम से संपर्क कर पक्ष जानना चाहा, तो उनके द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया.

गुरु ही जीवन के प्रथम पथ प्रदर्शक, मां होती है पहली गुरु : लता वैद्य

शुजालपुर, 30 जुलाई. गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के चलते नगर में विभिन्न आयोजन हो रहे हैं. उड़ान सामाजिक शैक्षणिक कल्याण समिति महिला मंच द्वारा गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन कर शिक्षकों का सम्मान किया गया. इस अवसर पर पीएम श्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शुजालपुर मंडी की शिक्षिका लता वैद्य सहित मधु मंडलोई, वंदना चौहान, प्रीति चौहान, चंदा सक्सेना एवं लता राठौर का तिलक, पुष्पगुच्छ एवं सम्मान-पत्र भेंट कर अभिनंदन किया गया कार्यक्रम में प्रीति चौहान ने लता वैद्य के शैक्षणिक एवं सामाजिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे शिक्षण कार्य के साथ स्काउट-गाइड गतिविधियों में भी सक्रिय हैं तथा विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की जंबूरी तक ले जा चुकी हैं. वे विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों में भी अग्रणी भूमिका निभाती रही हैं. लता वैद्य ने कहा कि प्रत्येक बच्चे की पहली गुरु उसकी मां होती है. उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि किसी भी समस्या या उपलब्धि की जानकारी सबसे पहले अपनी मां से साझा करें. यदि आवश्यकता हो तो इसके बाद शिक्षक से मार्गदर्शन लें. इससे परिवार और विद्यालय के बीच आत्मीयता बढ़ती है.